परामर्श प्रमुख
डॉ. श्रेयांस कुमार जैन, बड़ौत, 9837043221
डॉ. कपूरचंद जैन, खतौली, 9412678256
प्रधान संपादक
राजेन्द्र जैन ''बागी'', 9424013136
सह संपादिका
श्रीमती अर्चना अजय जैन, 9827796013
श्रीमती अनुपमा रजनीश जैन, 9009066884
कोषाध्यक्ष –
सुधेश कुमार जैन, 9827254111
प्रबंध संपादक
राजेन्द्र कुमार जैन, सायकलवाले, 9425353972
खुशालचन्द जैन, 9302123879
कोमलचंद जैन, 9329524227
(संयोजक एवं प्रकाशक)
बाहुबली जैन, 9827247847

परम संरक्षक
श्री सुभाषचंद जैन, बोरीवली, मुंबई

संरक्षक
डॉ. प्रकाशचंद जैन, सागर

* क्षेत्रीय प्रतिनिधि *

श्री अरविन्द जैन बाकल
जबलपुर
9827393509

श्री श्रेयांसकुमार जैन
अहमदाबाद
9426544317

श्री शांतिकुमार जैन
गंजबासौदा
9425149105

श्री कन्छेदीलाल जैन
विदिशा
9229670194

यदि आपको गोलालारीय दर्शन पत्रिका प्राप्त नहीं हो रही है तो अपने शहर के क्षेत्रीय प्रतिनिधियों से संपर्क कर पत्रिका प्राप्त करें।

शेष क्षेत्रीय प्रतिनिधियों की सूची आगामी अंकों में...

सदस्यता शुल्क

शिरोमणि संरक्षक (अ.जा.)	– 21000/–
परम संरक्षक(अ.जा.)	– 11000/–
संरक्षक (अ.जा.)	– 5100/–
विशेष सहयोगी (अ.जा.)	– 2100/–
आजीवन शुल्क	– 1100/–
पंचवर्षीय सहयोग	– 250/–

आप गोलालारीय दर्शन में सहयोग राशि स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के बैंक खाता क्रं. 63048875855 में जमा कर स्लीप की फोटोकॉपी कार्यालय पर अवश्य भेंजे ताकि सहयोग राशि की रसीद आपको भेज सके ।

विज्ञापन शुल्क (B/W)

अंतिम फुल पेज	3000/–
1/2 पेज	2000/–
1/4 पेज	1000/–
कॉलम	500/–
मांगलिक बधाई फोटो सहित	500/–
शोक संदेश फोटो सहित	200/–
बॉयोडाटा फोटो सहित	100/–

सिर्फ महावीर जयंती... क्यो?

हाल ही में हम सबने हमारे चौबीसवें तीर्थंकर भगवान श्री महावीर स्वामी का जन्मदिवस पूरी श्रद्धा और उत्साह से मनाया। पूरे देश भर में प्रभातफेरी, शोभायात्राओं और भगवान के जन्माभिषेक की धूम रही। जिनमंदिरों में बाल महावीर को पालना झुलाया गया तथा मंगल वाद्यों के साथ बधाई गीत गाये गये। पूरा दिवस भगवान महावीर के नाम कर दिया। सरकार भी इस दिन राष्ट्रीय अवकाश घोषित करती है। इसी तरह का उत्साह हम भगवान महावीर स्वामी के निर्वाण दिवस अर्थात् दीपावली पर भी दिखाते है। मंदिरों में निर्वाण लाडू चढ़ाये जाते है और घर घर दीप जलाये जाते है, उचित भी है और इन सब आयोजनों से किसी को कोई शिकायत भी नहीं हो सकती। किन्तु यहां प्रश्न यह है कि सिर्फ महावीर जयंती या दीपावली क्यों? यह सर्वविदित है कि भगवान महावीर से पूर्व तेईस तीर्थंकर और हो चुके है। फिर सिर्फ भगवान महावीर के जन्म और निर्वाण कल्याणक को इतना क्यों? इसका एकमात्र जवाब है कि वर्तमान में अंतिम तीर्थंकर भगवान महावीर का शासन चल रहा है। नि:संदेह यह सत्य है, परन्तु इस एक वजह से हमने कहीं न कहीं अपने तेईस तीर्थंकरों को विस्मृत सा कर दिया है जबकि जैन धर्म के प्रणेता एवं प्रथम तीर्थंकर आदिनाथ भगवान के कालक्रम से भगवान महावीर स्वामी तक जैन धर्म की धारा को सतत् प्रवाहित करने में इन सभी तीर्थंकरों के योगदान को नकारा नहीं जा सकता। किन्तु हममे से कितनों को उनका जन्म और मोक्षकल्याणक याद रहता है।

इस उपेक्षापूर्ण रवैये ने सर्वाधिक हानि हमारी वर्तमान पीढ़ी को पहुंचाई है, जिनमें से अधिसंख्य शायद चौबीस तीर्थंकरों के नाम भी नहीं जानते। हमारे धर्म के बारे में हम स्वयं कितने अनजान है यह बेहद शर्म की बात है। हमारे धर्मग्रंथों के अलावा अन्य साहित्य और इतिहास की पुस्तकों में भी भगवान महावीर को ही जैन धर्म का प्रणेता प्रचारित किया जाता है। यह स्थिति देश में ही नहीं विदेशों में भी है। कुछ समय पूर्व कुंद कुंद ज्ञानपीठ, इन्दौर में आयोजित क्षुल्लक जिनेन्द्रवर्णी स्मृति व्याख्यानमाला में फ्लोरिडा, मियामी (अमेरिका) से पधारी श्रमणी डा. चैतन्यप्रज्ञाजी का उद्बोधन सुनने का अवसर मिला जो फ्लोरिडा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी में विजिटिंग प्रोफेसर है। उन्होंने इस बात पर अत्यंत खेद प्रकट करते हुए कहा कि विदेशों में भी जैन धर्म के नाम पर लोग सिर्फ और सिर्फ भगवान महावीर को मानते हैं। इस सबके लिए दोषी कौन है? यह हमारी निष्क्रियता और उपेक्षा नहीं तो और क्या है कि हम इस तरह के साहित्य और पाठ्यपुस्तकों का विरोध नहीं करते। हमने स्वयं अपने तीर्थंकरों की उपेक्षा कर इस मिथ्या प्रचार को और बढ़ावा दिया है। जैन समाज भले ही अल्पसंख्यक है किन्तु एक शिक्षित और जागरुक समाज है। अतएव हमें स्वयं आगे बढ़कर अपनी त्रुटि को सुधारना होगा। हमें भगवान महावीर के समान अन्य तेईस तीर्थंकरों को भी सबके सामने लाना होगा। इसके लिए महावीर जयंती और दीपावली के समान सभी तीर्थंकरों के जन्म और मोक्ष कल्याणक मनाना चाहिये। भले ही बड़े स्तर पर न सही किन्तु जिन मंदिर में जन्माभिषेक और निर्वाण लाडू तो चढ़ाया ही जा सकता है। मंदिरों में पूर्व सूचना प्रकाशित कर सभी धर्मानुरागियों को उपस्थित होने का संदेश दिया जाये और हम सभी को उपस्थित होना भी चाहिए। इसके साथ ही मंदिरजी के सूचना पटल पर चौबीसों तीर्थंकरों के जन्म और मोक्ष कल्याणक तिथि का केलेण्डर भी टांगना चाहिये ताकि अधिक से अधिक लोग ध्यानाकर्षित हो सके। इन प्रयासों से कम से कम हमारे अपने समाजजन अपने तीर्थंकरों की कुछ जानकारी तो रख ही सकेंगे। धीरे धीरे ही समाज में जागृति आ सकेगी।

– अनुपमा जैन, सहसम्पादिका

स्तुति महिला मंडल ने इतिहास रचा ।

गोलालारीय दि. जैन समाज इन्दौर के इतिहास में एक और पन्ना स्वर्ण अक्षरों से लिखा गया जब समाज की 9 वर्षीय मूकबधिर बेटी **कु. रिया जिनेन्द्र–साधना जैन,** इन्दौर के इलाज हेतु स्नेह सम्मेलन के अवसर पर मात्र एक आव्हान पर समाजजनों ने मात्र 15 मिनिट के अंदर ही लगभग सवा लाख रुपये इकठ्ठा कर लिये। मगर मंजिल अभी दूर थी उस बच्ची के ऑपरेशन के लिए लगभग 7 लाख रुपये की आवश्यकता थी। शुरुआत हो चुकी थी तो हौंसले तो बुलंद थे। अत: स्तुति महिला मंडल की सचिव श्रीमती भारती जैन, वल्लभ नगर तथा गोलालारीय दर्शन की सहसंपादिका श्रीमती अर्चना जैन महावीर नगर ने इस अभियान को अपनी पूरी ताकत व उत्साह के साथ आगे बढ़ाया । शासन, अन्य समाजजनों एवं कई सोशल ग्रुपों से बात की, इस तरह करीब 3 महीने के अंदर अंदर इन्होंने कई लोगों की मदद से लगभग सात लाख रुपये इकठ्ठे कर बच्ची का ऑपरेशन 19 जून को हुआ। जहाँ विश्वास हो, नन में लगन हो और भावना अच्छी हो तो कार्य की सफलता तो निश्चित होती है। अत: उसका ऑपरेशन सफल रहा और सब कुछ ठीक रहा जैसे सभी समाजजनों की भावना है तो लगभग 6 महीने से 1 साल के भीतर वह बच्ची बोल व सुन सकेगी। दिल्ली से आई डाक्टरों की टीम ने इंदौर के 'विशेष हास्पिटल' में उसका सफल ऑपरेशन किया गया। अब बस प्रतीक्षा है तो उस बच्ची के मुख से कुछ सुनने की। जिसने भी इस बच्ची के ऑपरेशन में छोटा सा भी योगदान दिया है। हम अपनी ओर व बच्ची के माता पिता की ओर से सभी को हृदय से बहुत बहुत धन्यवाद देते हैं और आशा करते है कि समाजजन ऐसे सद्कार्यो में सदा अपना योगदान देते रहेंगे।

–अर्चना जैन, सहसम्पादिका

साधारण सभा की सूचना

इन्दौर, बाहुबली जैन । श्री गोलालारीय दिगम्बर जैन समाज न्यास की साधारण सभा 4 अगस्त 2013 को न्यास भवन, 64 न्यू देवास पर दोपहर 1 बजे आयोजित की गई है। जिसमें समाज कार्यकारिणी के निर्णय अनुसार निम्न विषयों पर चर्चा होना है – * ''सांस्कृतिक भवन'' 64, न्यू देवास रोड के पुन: नवनिर्माण पर चर्चा । * समाज की जनगणना कार्य को तय समय सीमा में पूर्ण करे जाने पर चर्चा * प्रयास पुस्तिका के प्रकाशन के लिए कार्ययोजना पर चर्चा * इसके अतिरिक्त समाज हित में अन्य विषयों पर भी चर्चा संभावित है। समाज अध्यक्ष श्री कोमलचंदजी ने कहा है कि विगत वर्षानुसार जरुरतमंद विद्यार्थियों की फीस एवं कॉपी किताब हेतु समाज की ओर से सहायता प्रदान की जाती है, जिसकी समस्त जानकारी गोपनीय रखी जाती है। इन्दौर में जरुरतमंद परिवार के विद्यार्थियों के लिए न्यास कार्यकारिणी के किसी भी सदस्य को सहायता हेतु आवेदन पत्र दे सकते है। न्यास कोषाध्यक्ष श्री अशोक कुमार जैन ने समाज के सभी सदस्यों से अनुरोध किया है कि वे सभा में उपस्थित रहकर समाज हित में उचित मार्गदर्शन देवें।

बधाईयाँ –

सिस्टर निवेदिता तकनीकी शिक्षण समिति भोपाल द्वारा रवीन्द्र भवन भोपाल में आयोजित उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान समारोह वर्ष 2013 में **कु. डॉ. विभा जैन पुत्री श्री सुरेशचंद जैन,** पूर्व रजिस्ट्रार एस.एस.एल. जैन पी.जी. कॉलेज विदिशा को उनकी संकाय बेसिक साइन्स में उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान से सुशोभित किया गया। **डॉ. कु. विभा जैन** (एम.ए., पी.एच.डी. इंग्लिश) वर्तमान में भोपाल शहर के उत्कृष्ट प्रायवेट तकनीकी महाविद्यालय लक्ष्मीनारायण कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी भोपाल (एल.एन.सी.टी., भोपाल) में एसोसिएट प्रोफेसर (मावनता विभाग) में कार्यरत हैं